नईदुनिया

एलआईसी हाउसिंग 8 फीसदी से कम ब्याज दर चाहने वाले बड़े बिल्डरों को नहीं देगी कर्ज

होम लोन में बढ़ती प्रतिस्पर्धा से मार्जिन पर दबाव, कंपनी का डेवलपर फाइनेंस व गैर-आवासीय ऋणों पर फोकस

नई दिल्ली

देश की प्रमुख हाउसिंग फाइनेंस कंपनी एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस (एलआईसीएचएफ)ने अपनी कर्ज देने की रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। कंपनी ने अब ऐसे बड़े बिल्डरों को कर्ज देने से इनकार कर दिया है, जो 8 फीसदी से कम ब्याज दर पर फंडिंग चाहते हैं। एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट के अनुसार एलआईसीएचएफ अब केवल उन परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिनसे उसे बेहतर रिटर्न मिल सके।

यह फैसला होम लोन बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और मार्जिन पर पड़ रहे दबाव के चलते लिया गया है। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस के लिए पहली तिमाही का शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) घटकर 2.58 फीसदी रह गया था, जिसकी मुख्य वजह होम लोन बाजार में तीव्र प्रतिस्पर्धा और कम ब्याज दरों पर कर्ज देना था। इस स्थिति से निपटने के लिए, कंपनी ने अब केवल कारोबार बढ़ाने के बजाय मुनाफे पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया है। इसी रणनीति के तहत एलआईसीएचएफ अब डेवलपर फाइनेंस कारोबार में तेजी से विस्तार कर रही है, जहां उसे बेहतर प्रतिफल मिल रहा है।

पहली तिमाही में कंपनी ने डेवलपर फाइनेंस सेगमेंट में 872 करोड़ रुपये का कर्ज दिया, जो पिछले साल के मुकाबले 459 फीसदी अधिक है। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 तक इस सेगमेंट में 4,000 करोड़ से 8,000 करोड़ रुपये का वितरण करना है, क्योंकि यहां करीब 10.5 फीसदी की आकर्षक यील्ड मिलती है। प्रबंधन के मुताबिक, जिन बड़े और मजबूत बिल्डरों को 8 फीसदी से कम ब्याज दर पर लोन चाहिए, उन्हें कंपनी जानबूझकर अनदेखा कर रही है। मार्जिन सुधारने के लिए कंपनी अब लोन अगेंस्ट प्रापर्टी और लीज रेंटल डिस्काउंटिंग (एलआरडी) जैसे गैर-हाउसिंग ऋणों पर भी जोर दे रही है, जो होम लोन की तुलना में लगभग 150 बेसिस पाइंट अधिक रिटर्न देते हैं। पहली तिमाही में इन व्यवसायों में लगभग 20 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। ब्रोकरेज फर्म के अनुसार एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस को विश्वास है कि इस रणनीतिक बदलाव का सकारात्मक असर आने वाले महीनों में साफ दिखाई देगा। कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 के लिए अपने अनुमानों को बरकरार रखा है, जिसमें 8-10 फीसदी एयूएम (प्रबंधन के तहत संपत्ति) वृद्धि, 10-12 फीसदी वितरण वृद्धि, लगभग 2.6 फीसदी शुद्ध ब्याज मार्जिन और 10-15 बेसिस पाइंट क्रेडिट कास्ट शामिल है। यह दर्शाता है कि कंपनी अपनी संशोधित रणनीति के साथ स्थिर और लाभदायक वृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है।

न्यूज ब्रीफ

चेरी आटोमोबाइल ने दाखिल किए तीन नए वाहनों के डिज़ाइन पेटेंट

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में चेरी आटोमोबाइल ने तीन नए वाहनों के डिजाइन पेटेंट दाखिल किए हैं। इनमें चेरी फुलविन एक्स3एल, चेरी लेपास एल4 और एक्सीड एक्सलेंटिक्स ईएस7 जीटी शामिल हैं। भविष्य में इन माडलों को भारत में साझेदारी के जरिए पेश किया जा सकता है। कंपनी इससे पहले भी कई माडलों के पेटेंट दाखिल कर चुकी है। चेरी फुलविन एक्स3एल कंपनी के फुलविन सब-ब्रांड की बड़ी एसयूवी है, जिसे रेंज एक्सटेंडिंग प्लग-इन हाइब्रिड तकनीक के साथ विकसित किया गया है। इसमें 15.6 इंच की इंफोटेनमेंट स्क्रीन, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, इंटेलिजेंट ड्राइविंग सिस्टम, मेमोरी पार्किंग और रिमोट पार्किंग जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। इसमें 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन और 33.7 किलोवाट-घंटा तक की बैटरी का विकल्प मिलता है। इसका आल-व्हील ड्राइव संस्करण 422 बीएचपी की शक्ति और 505 एनएम टार्क उत्पन्न करता है तथा केवल 4.7 सेकंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकता है। चेरी लेपास एल4 एक पेट्रोल एसयूवी है, जिसमें आकर्षक फ्रंट ग्रिल, स्प्लिट एलईडी हेडलाइट्स, ढलान वाली रूफलाइन और आधुनिक इंटीरियर दिया गया है। इसमें 13.2 इंच की टचस्क्रीन, डिजिटल डिस्प्ले और वायरलेस चार्जिंग जैसी सुविधाएं मिलती हैं। यह 1.5 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ लगभग 145 बीएचपी की शक्ति और 255 एनएम टार्क प्रदान करती है। वहीं एक्सीड एक्सलेंटिक्स ईएस7 जीटी एक प्रीमियम परफार्मेंस शूटिंग ब्रेक माडल है। इसमें 15.6 इंच की केंद्रीय स्क्रीन, 12.3 इंच की पैसेंजर डिस्प्ले, उन्नत ड्राइवर सहायता प्रणाली और प्रीमियम इंटीरियर दिया गया है। इसमें लगभग 41 किलोवाट-घंटा बैटरी, 1.5 लीटर रेंज एक्सटेंडर इंजन और 1,700 किलोमीटर तक की संयुक्त रेंज मिलने का दावा किया गया है।

अगस्त में महिंद्रा, स्कोडा और एमजी लान्च करेंगी कई माडल

नई दिल्ली। कई प्रमुख वाहन निर्माता कंपनियां चालू महीने अपने नए माडल लान्च करेंगी, जबकि कुछ लोकप्रिय कारों के फेसलिफ्ट और अपडेटेड संस्करण भी बाजार में उतारे जाएंगे। इस लिहाज से देखा जाए तो भारतीय आटोमोबाइल बाजार के लिए अगस्त महीना काफी व्यस्त रहने वाला है। महिंद्रा, स्कोडा और जेएसडब्ल्यू एमजी जैसी कंपनियां नई तकनीक और आधुनिक फीचर्स से लैस वाहनों के साथ ग्राहकों को आकर्षित करने की तैयारी में हैं। महिंद्रा 15 अगस्त को कई बड़े उत्पाद पेश कर सकती है। इनमें सबसे चर्चित स्कार्पियो एन फेसलिफ्ट है, जिसमें नए ड्यूल-टोन अलाय व्हील, बड़ा टैबलेट-स्टाइल इंफोटेनमेंट सिस्टम, 10.25 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले और बदला हुआ सेंटर कंसोल मिलने की संभावना है। इसी दिन कंपनी अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी बीई 6 का अपडेटेड संस्करण भी पेश कर सकती है। इसमें ट्रिपल-स्क्रीन सेटअप, नया इंटीरियर और ब्लैक-एंड-टैन अपहोल्स्ट्री जैसे बदलाव देखने को मिल सकते हैं। महिंद्रा की नई विजन एस कान्सेप्ट आधारित एसयूवी से भी 15 अगस्त को पर्दा उठने की उम्मीद है।

केंद्र ने भंडारण आधारित ई-कामर्स निर्यात के लिए प्रक्रिया को किया अधिसूचित, विदेश व्यापार नीति-2023 के तहत इन्वेंट्री आधारित सीमा पार ई-कामर्स निर्यात ढांचा अधिसूचित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आनलाइन कंपनियों के लिए भंडारण आधारित सीमा पार ई-कामर्स निर्यात संबंधी नियम अधिसूचित कर दिए हैं। सरकार ने विदेश व्यापार नीति 2023 के तहत इन्वेंट्री-आधारित सीमा पार ई-कामर्स निर्यात ढांचा अधिसूचित किया है।नियमों के तहत भारतीय विक्रेता केवल पक्के निर्यात आर्डर के आधार पर भारत में निर्मित वस्तुएं ईओआर को उपलब्ध कराएंगे और वस्तुओं की मूल उत्पत्ति सुनिश्चित करने तथा उसकी घोषणा करने की जिम्मेदारी उनकी होगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक यह ढांचा भारत में निर्मित या उत्पादित वस्तुओं के इन्वेंट्री-आधारित सीमा पार ई-कामर्स निर्यात को सुगम बनाने के लिए एक व्यापक नीति और प्रक्रियात्मक संरचना प्रदान करेगा। अधिसूचना के अनुसार नए नियमों के तहत ऐसी कंपनियां सिर्फ पक्के निर्यात आर्डर के आधार पर ही सामान खरीद सकेंगी और निर्यात के लिए अनुमान के आधार पर अग्रिम भंडारण की अनुमति नहीं होगी। सरकार ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) वाली ई-कामर्स कंपनियों को केवल निर्यात के उद्देश्य से भंडारण रखने की अनुमति 23 जुलाई को दी थी। इस व्यवस्था के तहत केवल भारत में निर्मित या उत्पादित वस्तुओं का ही निर्यात किया जा सकेगा।

आईटीसी की बदली चाल : सिगरेट नहीं एफएमसीजी व पेपर कारोबार ने संभाली कमान

जून तिमाही में सिगरेट पर टैक्स का दिखा असर, ब्रोकरेज ने कहा, निवेशकों की नजर गैर-सिगरेट ग्रोथ पर

नई दिल्ली

भारतीय कंपनी आईटीसी को पारंपरिक रूप से सिगरेट कारोबार के पर्याय के रूप में देखा जाता रहा है, लेकिन अब यह पहचान तेज़ी से बदल रही है। कंपनी अपनी जून तिमाही की रिपोर्ट के बाद नए सिरे से परिभाषित हो रही है, जहां सिगरेट कारोबार पर बढ़े हुए टैक्स का सीधा असर दिखा, वहीं एफएमसीजी (फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) और अन्य गैर-सिगरेट सेगमेंट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कंपनी के वित्तीय स्वास्थ्य को काफी हद तक सहारा दिया है। एक ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि अब निवेशकों की नज़र केवल सिगरेट की बिक्री पर नहीं, बल्कि कंपनी के विविध कारोबारों की ग्रोथ पर होगी।

पहली तिमाही में आईटीसी के सिगरेट बिक्री वॉल्यूम में लगभग 5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जिससे इस सेगमेंट की आय में 26 फीसदी और मुनाफे में 35 फीसदी की कमी आई। यह स्पष्ट रूप से नियामक दबाव का संकेत है। हालांकि, जहां सिगरेट कारोबार ने दबाव महसूस किया, वहीं एफएमसीजी बिजनेस ने जोरदार वापसी की। इस सेगमेंट की बिक्री में सालाना आधार पर 12 फीसदी और मुनाफे में 20.9 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि मार्जिन सुधरकर 7.4 फीसदी पर पहुंच गया। डेयरी, स्नैक्स और नूडल्स जैसे उत्पादों ने 20 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की, जिससे एफएमसीजी का एबिटा मार्जिन करीब 10 फीसदी हो गया। आईटीसी अब सिर्फ अपने स्थापित ब्रांडों तक सीमित नहीं है। योगाबार, मदर स्पर्श और रेसुमा जैसे डिजिटल-फर्स्ट ब्रांडों का सालाना कारोबार 1,500 करोड़ रुपये को पार कर गया है।

इसके अलावा फ्रेश फूड क्लाउड किचन कारोबार भी 75 आउटलेट्स और 300 करोड़ रुपये से अधिक के सालाना कारोबार के साथ तेजी से बढ़ रहा है। पेपर, पेपरबोर्ड और पैकेजिंग सेगमेंट ने भी 9 फीसदी बिक्री वृद्धि और 38 फीसदी मुनाफे की वृद्धि के साथ मजबूत प्रदर्शन किया, जिसका श्रेय बेहतर कीमतों और टिकाऊ पैकेजिंग की बढ़ती मांग को जाता है। सेंचुरी पल्प एंड पेपर के अधिग्रहण से इस क्षेत्र में कंपनी की स्थिति और मजबूत होगी। ब्रोकरेज फर्म के अनुसार आईटीसी के भविष्य की कमाई अब सिगरेट की बिक्री तक सीमित नहीं रहेगी। एफएमसीजी मार्जिन में निरंतर सुधार, नए ब्रांडों की तेजी से वृद्धि और पेपर कारोबार की मजबूती कंपनी के लिए नए विकास पथ तैयार करेगी, भले ही कमजोर मानसून और कच्चे माल की बढ़ती लागत जैसी चुनौतियां बनी रहें।

भारत का लक्ष्य 2030 तक 10,000 जीआई और वैश्विक बाज़ार तक पहुँच

नई दिल्ली। भारत ने 2030 तक 10,000 ज्योग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) पंजीकरण का लक्ष्य रखा है, इसका उद्देश्य अपने अनूठे क्षेत्रीय उत्पादों के लिए वैश्विक बाजारों तक पहुँचना है। रिपोर्ट के अनुसार, यह पहल देश की विरासत-आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और परंपरा व मौकों के बीच सेतु बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वर्तमान में, भारत में 800 से अधिक पंजीकृत जीआई उत्पाद हैं, जिसमें से 607 जीआई टैग 2014 के बाद से प्रदान किए हैं। बीते दशक में, जीआई टैग के अधिकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या 365 से बढ़कर जनवरी 2025 तक 29,000 हो गई है, जो इस क्षेत्र में बढ़ती जागरूकता और भागीदारी को दिखाता है। केंद्र सरकार ने जीआई इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए शुल्क में भी महत्वपूर्ण कटौती की है। 2025 के संशोधन के तहत, जीआई आवेदन और संबंधित प्रक्रियाओं के शुल्क में 80 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि टैग के नवीनीकरण शुल्क को 3,000 से घटाकर मात्र 500 रुपये किया गया है। जीआई टैग उत्पादों की प्रामाणिकता और मूल स्थान को प्रमाणित करते हैं, पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करते हैं और उनके दुरुपयोग को रोकते हैं। ये कारीगरों, बुनकरों, किसानों और उत्पादक समूहों को बेहतर बाजार पहचान दिलाने और प्रीमियम बाजारों तक पहुँचने में मदद करते हैं, इससे उनकी आय 20-30 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) जीआई उत्पादों के लिए बाजार पहुँच बढ़ाकर उनकी वैल्यू को कई गुना बढ़ा देते हैं, व्यापार बाधाओं को कम करते हैं और निर्यात के मौकों को बेहतर बनाते हैं। सरकारी पहलें वित्तीय सहायता, निर्यात प्रोत्साहन और विशेष मार्केटिंग प्लेटफार्म के जरिए जीआई इकोसिस्टम को मजबूत कर रही हैं, जिससे जीआई उत्पाद ग्रामीण विकास, सांस्कृतिक संरक्षण और निर्यात-आधारित वृद्धि का जरिया बन रहे हैं।

आरबीआई ने रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर रखा बरकरार

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस बार भी नीतिगत दर रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने यहां रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर बरकरार रखने का ऐलान किया। रिजर्व बैंक के इस फैसले से लोन की ब्याज दरें भी जस की तस रहेंगी। आरबीआई ने खुदरा महंगाई दर के अनुमान घटाकर पांच फीसदी कर दिया है, जबकि जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.7 फीसदी कर दिया है।

गवर्नर मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समीति (एमपीसी) की तीन दिवसीय द्विमासिक समीक्षा बैठक के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एमपीसी ने तटस्थ रुख को बनाये रखने का निर्णय किया है। मौद्रिक नीति समिति ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी मौद्रिक समीक्षा में सर्वसम्मति से नीतिगत दर रेपो रेट को 5.25वि फीसदी पर यथावत रखा है। संजय मल्होत्रा ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। देश की आर्थिक वृद्धि दर को मजबूत मांग से समर्थन मिल रहा है। मल्होत्रा ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट प्रमुख व्यापारिक मार्गों को बाधित कर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बना हुआ है। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में खुदरा महंगाई बढ़ेगी, तीसरी तिमाही में चरम पर पहुंचने के बाद ये नीचे आएगी। गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा महंगाई दर का अनुमान 5.1 फीसदी से घटाकर पांच फीसदी कर दिया है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन उम्मीद से बेहतर रहा। गवर्नर ने कहा कि आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को 6.6 फीसदी से बढ़ाकर 6.7 फीसदी कर दिया है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी मौद्रिक समीक्षा बैठक जून में की थी। इसमें रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा था। इस वित्त वर्ष में कुल 6 बैठकें होनी हैं, ये चालू वित्त वर्ष की तीसरी समीक्षा बैठक है। पहली समीक्षा बैठक अप्रैल में हुई थी।

महिंद्रा की सालाना आधार पर बिक्री में 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में महिंद्रा ने जुलाई, 2026 में एसयूवी गाड़ियों की भारी मांग देखने को मिली। कंपनी ने घरेलू मार्केट में अकेले 60,048 एसयूवी बेच डाली गईं, जो पिछले साल जुलाई के मुकाबले 20 प्रतिशत की सालाना बढ़त है। निर्यात और कमर्शियल व्हीकल्स को भी मिला दें, तो महिंद्रा की कुल बिक्री 1,03,860 यूनिट तक पहुंच गई, जो सालाना आधार पर 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में महिंद्रा की एसयूवी का दबदबा बरकरार रहा। इसके साथ ही, कमर्शियल व्हीकल्स और थ्री-व्हीलर सेगमेंट में भी महिंद्रा का प्रदर्शन शानदार रहा। छोटे वाणिज्यिक वाहनों (एलसीवी) की बिक्री में 20 से 40 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ, जबकि इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर सहित थ्री-व्हीलर सेगमेंट 53 प्रतिशत बढ़कर 14,538 यूनिट तक पहुंच गया। गाड़ियों के निर्यात में भी 47 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिसमें जुलाई महीने में कुल 4,070 गाड़ियां दूसरे देशों में भेजी गईं। ग्रामीण इलाकों में मांग बढ़ने से महिंद्रा के ट्रैक्टर बिजनेस ने भी रफ्तार पकड़ ली है, जुलाई में 32,643 घरेलू ट्रैक्टर बेचे गए।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 200 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने का भाव 520 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 570 रुपये प्रति 10 ग्राम तक टूट गया है।

कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट और अमेरिकी बाजार में चिप शेयरों में हुई जोरदार खरीदारी के कारण ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जबरदस्त मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में भी आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है।

क्रूड आयल मार्केट में आई नरमी और चिप स्टाक्स में आई जोरदार तेजी के कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान जबरदस्त मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 136.02 अंक यानी 1.79 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,736.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 671.10 अंक यानी 2.59 प्रतिशत की जोरदार छलांग लगा कर

26,584.99 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 253.37 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ 54,337.25 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.20 प्रतिशत उछल कर 10,879.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.61 प्रतिशत की छलांग लगा कर 8,666.63 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 201.04 अंक यानी 0.77 प्रतिशत की उछाल के साथ 26,202.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,588.30 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.11 प्रतिशत फिसल कर 1,615.43 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 119.50 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,699 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,345.61 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 275.64 अंक यानी 4.33 प्रतिशत उछल कर 6,634.59 अंक के स्तर पर आ गया है।

निक्केई इंडेक्स में भी जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 2,039.47 अंक यानी 3.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 65,997 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 1,343.15 अंक यानी 3.10 प्रतिशत की उछाल के साथ 44,703.81 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,873.56 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,905 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।